From page No: 1 to 3

B.A.(H)
PART-IST
POLITICAL SCIENCE
PAPER-IST, CH-6th
LECTURE NO. 13
DATE - 24/04/2020

By: OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

राजनीति विज्ञान में शक्ति का दृष्टिकोण :

राजनीति विज्ञान के अध्ययन का एक मुख्य उद्देश्य यह जानना होता है कि शक्ति किसके हाथ में है और इसका प्रयोग किस प्रकार किया जा रहा है। इसी वजह से वर्तमान में राज्य के विचार को अभिव्यक्त करने की अपेक्षा शक्ति की धारणा व्यक्त करने पर अधिक जोर दिया जा रहा है। वस्तुतः शक्ति राजनीतिक अनुसंधान का हृदय है और इसका स्पष्ट लाभ यह है कि इसके द्वारा दूसरों को प्रभावित करने वाली क्रिया को समझा जा सकता है।

प्राचीन काल में शक्ति की धारणा को असीमित या निरंकुश शक्ति से सम्बद्ध समझा जाता था और इसी वजह से इसे सन्देह की दृष्टि से देखा जाता था, परन्तु वर्तमान यह धारणा ने काफी महत्व एवं लोकप्रियता प्राप्त कर ली है।

शक्ति की धारणा को लोकप्रिय बनाने एवं महत्ता प्रदान करने में जार्ज केटलिन और हैरल्ड डी॰ लासवेल का महत्वपूर्ण हाथ रहा है। लासवेल वर्तमान युग का सबसे अधिक प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली शक्ति शोधकर्ता है।

लॉसवेल की शक्ति की अवधारणा :

लासवेल के अनुसार राजनीति विज्ञान मूलरूप से एक शक्ति प्रक्रिया नहीं है, वरन् यह समाज के मूल्यों की स्थिति एवं बनावट में परिवर्तन का अध्ययन है, अतः राजनीति विज्ञान में शक्ति एवं मूल्य दोनों का ही अध्ययन किया जाना चाहिए और इन दोनों की परस्पर निर्भरता को भी स्पष्ट किया जाना चाहिए।

Next

Scanned with CamScanner

Date: ______ Page: ______

उत्तर: लासवेल ने अपनी पुस्तक 'Who gets, what, when and How' एवं कैटलिन के साथ लिखित पुस्तक 'Power and Society' में शक्ति सिद्धांत का विस्तार से वर्णन किया है। इन्होंने प्रतिपादित किया है कि ~~सबसे~~ शक्ति की अवधारणा राजनीति विज्ञान का सबसे मौलिक सिद्धांत है और यह राजनीतिक प्रक्रियाओं के निर्माण एवं शक्तियों के प्रयोग व वितरण में विशिष्ट तत्व के रूप में कार्य करता है।

लासवेल के अनुसार – 'एक प्रक्रिया अथवा गतिविधि के रूप में शक्ति कैसे क्रियाशील रहती है, यही राजनीति विज्ञान की विषयवस्तु है।

~~जार्ज कैटलिन की शक्ति की अवधारणा:~~

कैटलिन ने शक्ति को राजनीतिक जीवन का प्राथमिक तत्व माना है। इन्होंने शक्ति को केन्द्र बिन्दु बनाकर व्यवस्थित सिद्धांत अथवा संकल्पनात्मक संरचना का विकास किया। इनके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में अपनी कामनाओं को पूरा करने की इच्छा होती और यही इच्छा उसके समस्त कार्यों का आधार है। ~~अपनी~~ अपनी इच्छा लागू करने के लिए अन्य की इच्छाओं को नियंत्रित करना आवश्यक हो जाता है और व्यक्ति जब इस दिशा में चेष्टा करता है, तभी शक्ति या संघर्ष के तत्व का उदय हो जाता है।

शक्ति का अध्ययन पूर्ण रूप से यह स्पष्ट नहीं करता कि सरकार समाज को किस प्रकार नियंत्रित करती है अथवा व्यवस्था की स्थापना कैसे करती है, वरन इसके इस व्यापक समस्या पर विचार किया जाता है कि एक व्यक्ति या समूह दूसरों की इच्छाओं को किस प्रकार प्रभावित करता है।

Next-

Scanned with CamScanner

Date: ______ Page: ______

क्रमशः केटलिन के अनुसार, " इच्छाओं के संघर्ष को राजनीति विज्ञान का आधार बनाया जाय, तो राजनीति विज्ञान की शेष विषय-वस्तु स्वयं ही स्पष्ट हो जायेगी।"

——— x ——— x ——— x

संभावित प्रश्न:

शक्ति की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? केटलिन एवं लासवेल की शक्ति की अवधारणों को स्पष्ट कीजिए।

Scanned with CamScanner